Sunrise - 6.10 A.M. WEDNESDAY

Pg- 13 (Ch-4) जगदीशचंद्र बोस Date - 11/7/20

3. समानार्थक शब्द / पर्यायवाची शब्द

विज्ञानी - ज्ञान , अविष्कारक

शक्ति - बल , ताकत , अधिकार

उपाधि - खिताब , उपनाम , सरनेम

विष - जहर , हलाहल , गरल

परिश्रमी - मेहनती , प्रयत्नशील , पराक्रमी

मान - इज्जत , आबरू , आदर

छात्र - विद्यार्थी , छात्रा , पंडित

Scanned with CamScanner

Date - 11/7/20

4. वाक्यों में प्रयोग करो।

1) कूट - कूटकर :- जगदीशचंद्र बोस के मन में देशप्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी।

2) प्रकाश - स्तंभ :- जगदीशचंद्र बोस के आविष्कार भारतीय वैज्ञानिकों के सामने अंधेरे में प्रकाश - स्तंभ बना रहा।

3) आविष्कार :- जगदीशचंद्र बोस ने सर्वप्रथम बेतार - के - तार का महत्वपूर्ण आविष्कार किया।

SUNDAY 15

4) रुचि :- जगदीशचंद्र बोस को बचपन से ही रुचि पेड़ - पौधों में रही।

Scanned with CamScanner

5) आनंदित :- पेड़ - पौधों में भी समय - समय पर आनंदित और दुःखित रहने का अनुभव होता हैं।

6) दुःखित :- वह दुःखित होकर घर चला गया।

---X---X---

Scanned with CamScanner

Ch- 4

Date:- 9/07/20
Sub:- Hindi Reader
Class:- IV

जगदीशचंद्र बोस

★ शब्दार्थ ★

धारणा - पक्का विचार

तीव्र - तेज

आविष्कार - नई बात की खोज

अटूट - न टूटनेवाला, सदा बना रहनेवाला

निर्जीव - जिसमें जान न हो

उपाधि - पदवी

कूट-कूटकर - बहुत अधिक

सम्मानित - जिसका सम्मान हुआ हो, प्रतिष्ठित

Scanned with CamScanner

• बोधात्मक और विचारात्मक प्रश्न :—

1. जगदीशचंद्र बोस कौन थे? हम उन्हें क्यों याद करते हैं?

उत्तर :- जगदीशचंद्र बोस हमारे देश के एक महान वैज्ञानिक थे। हम उन्हें इसलिए याद करते हैं क्योंकि उन्होंने नए-नए वैज्ञानिक अविष्कारों के माध्यम से देश का नाम रौशन किया है।

2. जगदीशचंद्र बोस ने किन खोजों से संसार को चकित कर दिया? वे विज्ञान-जगत में किस तरह प्रसिद्ध हुए?

उत्तर :- जगदीशचंद्र बोस ने "पेड़-पौधों में अनुभव करने की शक्ति" और "बेतार-के-तार" खोजों से संसार को चकित कर दिया।

Scanned with CamScanner

जगदीशचंद्र बोस को बचपन से ही पेड़-पौधों में रुचि थी। प्राथमिक शिक्षा-दीक्षा गाँव में ही अच्छी हुई, फिर उच्च शिक्षा के लिए वे विलायत गए। वहाँ उन्होंने कुछ वैज्ञानिकों के साथ काम भी किया, जिससे नई-नई खोज करने की तीव्रता जागी।

स्वदेश लौटने पर वे कलकत्ता में विज्ञान के प्राध्यापक बने, उनमें धैर्यशीलता, अटूट साहस, उमंग तथा लगन था। फिर उन्होंने सर्वप्रथम "बेतार-के-तार" का आविष्कार किया और "पेड़-पौधों की अनुभव शक्ति" होने का यंत्र बनाकर दिखलाया। इससे वह "डॉक्टर ऑफ साइंस" (डी॰ एस-सी॰) की उपाधि प्राप्त किया। तथा कलकत्ता में

Scanned with CamScanner

एक विज्ञान - मंदिर की स्थापना की।
यह मंदिर 'बोस रिसर्च इंस्टीच्यूट'
(बोस शोध - संस्थान) के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
इस तरह जगदीशचंद्र बोस सारे देश के
विज्ञान - जगत में प्रसिद्ध हुए।

3. जगदीशचंद्र बोस ने किस तरह देश - सेवा में जीवन लगाया? उन्हें तपस्वी कहना कहाँ तक ठीक है?

उत्तर :- जगदीशचंद्र बोस ने सारे देश में ऐसी विज्ञान - संस्थाएँ स्थापित किया, SUNDAY 08
जिससे विद्यार्थियों को विदेश जाने की आवश्यकता न पड़े और उन्होंने अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा कुल 15 लाख

Scanned with CamScanner

रुपये विज्ञान - मंदिर में दान दिए इस प्रकार वह देश - सेवा में जीवन लगाया।

उन्हें तपस्वी कहना ठीक है क्योंकि उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों का जो आदर्श सामने रखा था वह बहुत दिनों तक अंधेरे में प्रकाश - स्तंभ का काम करता रहा।//

Scanned with CamScanner

Sunrise - 6.09 A.M. TUESDAY

Home Work Sheet Date - 9/7/20

Ch-4 जगदीशचंद्र बोस

प्रश्न 1 :- जगदीशचंद्र बोस के बारे में कुछ शब्द लिखिए ।

Scanned with CamScanner